

बरसात में कई प्रमुख मार्गों पर सड़क तक फैली हरियाली हादसे का भी बढ़ा खतरा सफाई व कटाई की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

बरसात का मौसम शहर की सड़कों के किनारे हरियाली लेकर आया है, लेकिन यही बढ़ी हुई घास अब लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों, सड़क किनारों और खाली पट्टियों पर घास तेजी से बढ़ गई है। कई स्थानों पर इसकी लंबाई इतनी अधिक हो गई है कि सड़क किनारे का काफी हिस्सा घास से ढक गया है। इससे जहां वाहन चालकों को सड़क के किनारे का हिस्सा साफ नजर नहीं आता, वहीं पैदल चलने वाले लोगों के लिए भी आवागमन मुश्किल हो गया है।

बरसात के बाद लगातार नमी मिलने से सड़क किनारे उगी घास कुछ ही दिनों में काफी ऊंची हो गई है। कई जगहों पर यह घास फुटपाथ तक फैल चुकी है। ऐसे में पैदल राहगीरों को सड़क पर चलने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। व्यस्त मार्गों पर यह स्थिति

सड़कों के किनारे बढ़ी घास राहगीरों व वाहन चालकों के लिए बनी मुसीबत

और भी खतरनाक बन जाती है, क्योंकि पैदल चलने वालों और तेज रफ्तार वाहनों के बीच दूरी कम हो जाती है। वाहन चालकों का कहना है कि कई जगह सड़क के मोड़ और चौराहों के आसपास भी घास काफी ऊंची हो गई है। इससे दूसरी तरफ से आने वाले वाहन समय पर दिखाई नहीं देते। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों के लिए यह स्थिति जोखिम भरी है। घास के पीछे से अचानक कोई वाहन या पैदल व्यक्ति सामने आने पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों के अनुसार लंबी घास केवल यातायात की समस्या ही नहीं है, बल्कि इसके नीचे सड़क किनारे बने गड्ढे, पत्थर, कचरा और अन्य वस्तुएं भी छिप जाती हैं। बरसात के दौरान पानी जमा होने से इन जगहों का अंदाजा लगाना और मुश्किल हो जाता है। पैदल राहगीर कई बार इन गड्ढों में फिसलकर चोटिल हो सकते हैं। लोगों ने संबंधित विभागों से मांग की है कि बरसात के मौसम में सड़क किनारे और डिवाइडरों पर बढ़ने वाली घास की नियमित कटाई करवाई जाए।



बहादुरगढ़। सेक्टर-9 में सड़क किनारे उगी ऊंची घास।

फोटो: हरिभूमि

प्रशासन को देना चाहिए ध्यान

अधिकांश सड़कों के किनारे घास काफी ऊंची हो गई है। कई जगह मोड़ पर दूसरी तरफ से आने वाला वाहन दिखाई नहीं देता। इससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। बरसात के बाद घास बहुत तेजी से बढ़ी है। सड़क किनारे सफाई नहीं होने से वाहनों और राहगीरों को भी परेशानी होती है। पैदल चलने वालों के लिए पहले ही सड़क पर पर्याप्त जगह नहीं है। घास बढ़ने से स्थिति और खराब हो गई है। प्रशासन को इस ओर तुरंत ध्यान देना चाहिए।

कई जगह सड़क का किनारा घास में छिपा

राजकुमार राठी ने बताया कि कई जगह सड़क का किनारा घास में छिप गया है। रात के समय तो यह समस्या और ज्यादा बढ़ जाती है, क्योंकि घास और सड़क का किनारा स्पष्ट दिखाई नहीं देता। बरसात में घास बढ़ना सामान्य है, लेकिन इसकी कटाई समय पर होनी चाहिए। विभाग को मानसून के दौरान नियमित रूप से निरीक्षण करवाना चाहिए। शहर के प्रमुख मार्गों की रोजाना सफाई होती है तो सड़क किनारे की घास की भी नियमित कटाई होनी चाहिए। इससे शहर की सुंदरता के साथ सुरक्षा भी बनी रहेगी।

ऊंची घास सबसे ज्यादा खतरनाक

अमित दलाल के अनुसार फुटपाथ लोगों के चलने के लिए होते हैं, लेकिन कई जगह वहां घास और झाड़ियां फैल गई हैं। मजबूरी में लोग सड़क पर चल रहे हैं। घास के साथ-साथ कई जगह कचरा भी जमा है। सफाई और घास कटाई दोनों काम एक साथ करवाए जाने चाहिए। चौराहों और मोड़ों के पास ऊंची घास सबसे ज्यादा खतरनाक है। सामने से आने वाला वाहन आचानक दिखाई देता है, जिससे हादसा हो सकता है।



खबर संक्षेप



झज्जर। नागरिक अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम के लिए कागजी कार्रवाई करते हुए पुलिसकर्मी।

संदिग्ध परिस्थितियों में चार वर्षीय मासूम की मौत

झज्जर। क्षेत्र के गांव सिलानी केशो के खेतों में काम करते समय एक प्रवासी श्रमिक के चार वर्षीय मासूम को किसी जहरीले कीट ने काट लिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ी तो परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतका की पहचान कार्दनी पुत्री अरुण के तौर पर हुई है। अरुण मूल रूप से यूपी के सीतापुर रहने वाला है और वह पिछले करीब नौ माह से इस क्षेत्र में रहकर अपने परिवार के साथ खेत मजदूर के तौर पर काम करता है। अरुण ने बताया कि शनिवार की शाम जब वह खेत में काम रहा था। शाम करीब साढ़े पांच बजे उन्होंने देखा तो चांदनी बेहोश थी। मामले के जांच अधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने बताया कि परिजनों के बयान पर इतिफाकिया कार्रवाई अमल में लाई गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

फांसी का फंदा लगाकर युवक ने दी जान

झज्जर। उपमंडल बादली में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान ओमवीर पुत्र जयचंद के तौर पर हुई है। जानकारी के अनुसार ओमवीर की पत्नी पिछले करीब छह माह से अपने मां के गई हुई थी जिस कारण वह परेशान रहता था। शनिवार की शाम उसने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तथा शव को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय नागरिक अस्पताल के शवगृह भिजवाया। मामले के जांच अधिकारी संदीप ने बताया कि इस संबंध में मृतक की मां कृष्णा के बयान पर इतिफाकिया कार्रवाई की गई है। पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

कंपनी गेट के बाहर खड़ी बाइक चोरी

बहादुरगढ़। रोहद में कंपनी के गेट के बाहर खड़ी एक बाइक चोरी हो गई। गांव रोहद निवासी रूमिल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक कंपनी में इलेक्ट्रिशियन के पद पर कार्यरत है। वीरवार सुबह उसने अपनी बाइक कंपनी के गेट के बाहर खड़ी की थी। शाम को वह बाहर आया तो बाइक वहां से गायब थी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हनुमान मंदिर में चोरी व तोड़फोड़ पर 10 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ ►► बहादुरगढ़

रोहतक रोड पर एनसीआर नहर किनारे स्थित हनुमान मंदिर में चोरी और तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। मंदिर के कमरे का ताला तोड़ने के साथ ही दीवार और छत को भी नुकसान पहुंचाया गया। मामले में आसीदा थाना पुलिस ने 10 लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव मंडोठी निवासी देवेन्द्र दलाल ने बताया कि खसरा नंबर 3688 की जमीन सरकारी स्वामित्व की है, जिस पर उनके पूर्वजों द्वारा लंबे समय से धर्मशाला और छोटा मंदिर बनाया गया था। शिकायत के अनुसार करीब 4-5 वर्ष पहले उनके दिवंगत पिता और परिवार ने वहां करीब 80 फीट ऊंची हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित करवाई थी। मंदिर परिसर में एक कमरा और लोहे का शेड भी बना हुआ है, जहां पूर्णिमा के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होते हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक 7 अगस्त को शाम करीब 4 बजे बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में पहुंचे और कमरे में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया। शिकायत में मंदिर के दानपात्र में करीब 50 हजार रुपये नकद, प्रतिमा की सजावट के करीब 20 हजार रुपये के कृत्रिम आभूषण, करीब 30 हजार रुपये की 80 ईंच एलईडी, भंडारे का सामान, गैस सिलेंडर, बड़े बर्तन तथा अन्य सामान चोरी होने का आरोप लगाया गया है।



बहादुरगढ़। रोहद के निकट मंदिर परिसर में वारदात के दौरान की गई तोड़फोड़।

इसके अलावा करीब एक लाख रुपये कीमत का सोनी कंपनी का कैमरा, करीब 10 हजार रुपये का म्यूजिक सिस्टम और लगभग 15 हजार रुपये की सीसीटीवी डीवीआर भी चोरी होने की बात कही गई है। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने कमरे का ताला तोड़ने के बाद दीवार और छत को नुकसान पहुंचाया तथा मंदिर के सामने बने दोनों शेडों में भी तोड़फोड़ की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि मुख्य आरोपी विजय उर्फ टिंकू ने 25 जुलाई को व्हाट्सएप पर कथित तौर पर धमकी भरा संदेश भेजा था और इस संबंध में पहले भी शिकायत दी जा चुकी थी। पुलिस ने विजय उर्फ टिंकू, राज सिंह, अजय, राजबाल, अश्वयुक्त सोनू, सुनहरी, रोहताश, शक्ति, शीला और सुनीता के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हर घर तिरंगा अभियान का भव्य आगाज

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

रविवार को जिले में हर घर तिरंगा व वंदे मातरम अभियान का शुभारंभ किया गया। जिला प्रशासन की ओर से सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के माध्यम से तैयार वीडियो वैन देश के नाम संदेश...थीम के साथ जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लिए रवाना की गई। डीसी वर्षा खंगवाल ने स्वयं वैन पर देश के नाम अपना संदेश लिखकर वैन को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने हर घर तिरंगा व वंदेमातरम थीम आधारित सेल्फी पॉइंट का रिबन खोलकर उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में जिला प्रशासन के साथ पूर्व सैनिक भी काफी संख्या में पहुंचे और देश के नाम अपना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 17 अगस्त तक जिले में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रभक्ति का वातावरण बनाया जाएगा। इस मौके पर ईडियन वेटर्न संगठन के जिलाध्यक्ष सुबेदार मेजर सुरेंद्र यादव, राजकिशन हरित, महासचिव भूप सिंह, हजारी लाल, कृष्ण कुमार, धर्मवीर सिंह, प्रकाश, राय सिंह, पंकज, लक्ष्मण, महेंद्र आदि उपस्थित रहे।



झज्जर। देश के नाम संदेश थीम आधारित प्रचार वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करती डीसी वर्षा खंगवाल। फोटो: हरिभूमि

मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ किसान संगठनों का प्रदर्शन आज

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

संगठन ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन, अखिल भारतीय किसान सभा, भारतीय किसान यूनियन, किसान मजदूर उथ्थान मोर्चा, भाकियू, रिटायर्ड कर्मचारी संघ, बिजली उपभोक्ता मंच के कार्यकर्ता भाग लेंगे। किसान नेता सुरेंद्र सिंह सिवाच, सुनील कुमार, सुमित छिक्कारा, मंजीत सिंह, दिलबाग सिंह दलाल, सतबीर सिंह दहिया, रामकिशन आदि ने बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की नीतियों के चलते किसानों और मजदूरों की आर्थिक स्थिति लगातार खराब होती जा रही है।

सोमवार को विभिन्न किसान संगठनों द्वारा किसान संगठन केंद्र और प्रदेश सरकार की किसान मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। विभिन्न संगठनों के सदस्य सुबह करीब दस बजे अनाज मंडी में एकत्रित होंगे। यहां से मार्च निकालते हुए वे लघु सचिवालय पहुंचेंगे जहां सांकेतिक गिरफ्तारियां दी जाएंगी। किसान नेता जयकरण मांडौठी ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में मोर्चा के घटक



बहादुरगढ़। शिव कांवड़ शिविर में पहुंचे विधानसभाध्यक्ष हरविंदर कल्याण।

कांवड़ सेवा शिविर में पहुंचे स्पीकर

बहादुरगढ़। शहर के झज्जर रोज पर भाजपा किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अहलावत की ओर से लगाए गए शिव कांवड़ सेवा शिविर में रविवार को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. हरविंदर कल्याण पहुंचे। उन्होंने शिविर में कांवड़ियों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और सेवा कार्य में जुटे सेवादायों का उत्साहवर्धन किया। डॉ. हरविंदर कल्याण ने सभी कांवड़ियों की मंगलमय ध्वं सुखद यात्रा की कामना की। शिविर में कांवड़ियों की सेवा के लिए राजेश कौशिक, सुमित पटेलवान, अमित अहलावत, दीपक अहलावत आदि सेवाएं दे रहे हैं। यहां कांवड़ियों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

जमकर हो रही घेवर, मट्ठी और बताशों की बिक्री हरियाली तीज पर्व को लेकर बाजारों में बढ़ी रौनक

हरिभूमि न्यूज़ ►► झज्जर

हरियाली तीज पर्व में केवल सप्ताह भर शेष है। ऐसे में तीज पर्व को लेकर बाजार के मिष्ठान भंडारों पर घेवर, मट्ठी व बताशों की बिक्री जोरों पर है। रविवार को अवकाश के चलते बाजार में खरीददारों की खासी भीड़ रही। ग्राहकों द्वारा घेवर, मट्ठी, बताशे, पेते की मिठाई, जलेबी आदि की जमकर खरीददारी की गई। आंबेडकर चौक स्थित जगगी स्वीट्स के संचालक बिंदर सैनी ने बताया कि पिछले वर्ष के मुकाबले अबकी बार त्योहार बढ़िया निकल रहा है। सुरेंद्र मिष्ठान भंडार के संचालक पवन ने बताया कि अबकी बार उनके यहां बनाया गया देशी घी से निर्मित केसर घेवर लोगों की पहली पसंद बना है। उनके यहां चालीस वर्षों के अनुभवी कारीगर धर्मवीर द्वारा घेवर तैयार किया जा रहा है। जलेबी बनाने के कारीगर विजय ने बताया कि उनके यहां आने वाले अधिकांश ग्राहकों द्वारा हरियाली तीज की खरीददारी में बताशे, मट्ठी व घेवर के साथ-साथ जलेबी भी खरीदी जा रही है।



झज्जर। आंबेडकर चौक स्थित एक दुकान पर लगी खरीददारों की भीड़।



कहानी

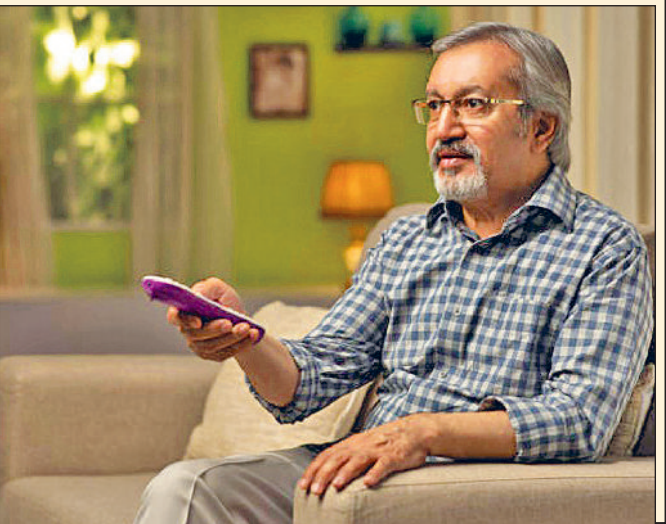
डॉ. सुरेश वशिष्ठ

रात के आखिरी पहर में उठकर बैठ जाता हूं। बिस्तर पर पूरी रात करवटें ही बदलता रहा। दिन में कुछ देर सो भी जाऊं तो रात में जागना पड़ता है। सोने की कोशिश भी की जाए तो नींद नहीं आती। अक्सर टीवी खोलकर देखने लगता हूं। खबरें सुन लूं तो दिल कांपने लगता है। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण के आंकड़े दिनों-दिन बढ़ते ही जा रहे हैं। हर चैनल उसे बढ़ा-चढ़ा कर दिखाने लगा है। कोरोना संक्रमण या सीमा पर पाकिस्तान द्वारा सीजफायर का उल्लंघन। बल्चिस्तान और सिंध में पाकिस्तानी सेना द्वारा बर्बरता। आज, यही सब देखने को रह गया है। दिमाग में जब इतनी हलचल चल रही हो तो नींद कैसे आ पाएगी और चित्त कैसे स्थिर रह सकेगा। कोरोना वायरस थमने का नाम नहीं ले रहा है। ना अपने मुल्क में ना विदेश में। सरकारें इस महामारी में जितना कर सकती हैं, कर रही हैं। अपने वतन की स्थिति को भांपकर सांसें थमने लगी हैं। इस समय रात के तीन या चार बज रहे होंगे, सोचा- 'किसी फिल्म पर मन लगाऊं या कोई और सीरियल देखूं। मन कुछ तो हल्का होगा।' टीवी का स्विच ऑन किया। चैनल बदलते-बदलते फिर किसी न्यूज़ पर अंगुली अटक गई। दो खबरें मन को काफी परेशान करने वाली थी। एक तो यह कि 'पाकिस्तान में जेहादियों को कोरोना वायरस देकर सीमा में घुसा दिया जाए।' इसकी योजना वहां की फौज और सरकारें मिलकर बना रही थीं। इसका खुलासा किसी एक जिहादी और उसके पिता की फोन पर हुई वार्ता से उजागर हुआ था। न्यूज़ परोसी जाने लगी थी और लोग बहुत ध्यान देकर उसे सुन भी रहे थे। उच्छवास को फूंक से उड़ते हुए मन ने कहा- 'यह सब कारोबारियों का धंधा तो नहीं?' लेकिन कैसे....धंधा कैसे होगा? वह मानव-बम बनकर दूसरों को मारता है और खुद भी बहतर हूयों को प्राप्त होता है। उसके शरीर की चिंदियां धुएं के गुब्बार सी बिखर जाती हैं। यह कैसी राजनीति पसर गई है? लोगों को धर्म की गृहार देकर, उन्हें गुस्सेल बनाकर मरने के लिए छोड़ देना।... और वह मरता है, मारता है। पलभर में पूरी रात बीत गई।

सुबह हुई, लेकिन अशांत दिल और दिमाग खाली नहीं हो सका। अगले रोज भी आंखों में नींद की खुमारी थी। फिर भी उठा, कुल्हा-चतुन किया और टहलने के लिए बालकनी में जा पहुंचा। वहीं पर छोटी बहू चाय का प्याला दे गई। टीवी में परोसे जाने वाले सीन मन को आहत करते रहे। अनजानी कोई शंका दिमाग में घुस गई थी। इतने दिनों से बाहर नहीं जा सका, रिश्तेदारों से नहीं मिला और ना घूमने ही निकल पाया हूं। किसी लाइब्रेरी में भी नहीं गया हूं। गांव जाना चाहते हुए भी जा नहीं सका हूं। पत्नी के फोन की घंटी बजी, दूसरी तरफ गाड़ियां साफ करने वाले रामकरण की आवाज थी। वह सुबह-सुबह ही आ धमकता है। मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी,

धुएं के गुबार

मिसेज ने मेन द्वार खोला। दीनता भरी उसकी आवाज सुनाई दी- 'आंटी जी, आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं, आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है।'

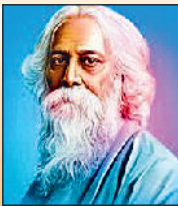


आज पैसे दे देंगे क्या।' पत्नी कहने लगी- 'भाई इस महीने तो तुम आए ही नहीं, केवल चार या पांच दिन ही तो तूने गाड़ियां साफ की हैं।' रोनी-सी सूरत लिए वह बोला- 'क्या कहूं आंटी जी, घर में खाने को कुछ बचा नहीं है। आटा, दाल, चावल का एक दाना तक घर में नहीं है।' दीनता से भरी उसकी आवाज हृदय में तीर सी चुभने लगी थी। मैंने आवाज देकर मिसेज को अन्दर बुला लिया और कहा - 'बुला लो उसे, दो हजार बनते हैं लेकिन कुछ ज्यादा ही दे देना, उसे भी ऐसे दिन तो निकालने ही होंगे। पैसे घर में नहीं हैं तो निकाल लाओ। हमारा बसर जैसे भी होगा, उसका भी होना ही चाहिए।' पत्नी ने उसे हिम्मत दी और शाम को आने के लिए कह दिया। वह बोली- 'शाम को आकर पैसे ले जाना और चिंता नहीं करना। कुछ और जरूरत भी है तो कहना।' वह थोड़ा आश्चर्य हुआ और चला गया। मिसेज बता रही थी कि उसके चेहरे पर खुशी के भाव जाग उठे थे। ऐसे कठिन समय सभी एक-दूजे की सहायता कर रहे थे।

आपदा देखी तो वतन उठ खड़ा हुआ था। आज ऐसा सभी जगह देखा और सुना जा रहा था। पड़ोसी देश की तस्वीर पर से धुंध भी साफ हुई थी। उसके कारनामों और उसकी नियत पर पूरे विश्व को शंका हो चली थी। खुलकर चीन पर लोगों की उंगलियां उठने लगी थीं। यह उसी की करनी है, कहा यही जा रहा था कि वहीं से इस वायरस ने जन्म लिया है। उनका सब ठीक भी हो गया, लेकिन विश्व पराजित होने लगा था। पिछले कुछ दिनों से यही सब सुना जाता रहा है कि चीन ने स्वयं को संभाल लिया लेकिन पूरी मानव जाति को इस महामारी में धकेल दिया है। मरकज से निकले लोग पूरे देश में फैल गए। इसके पीछे किसकी क्या

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है, जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।

- रविद्रिनाथ टैगोर



मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया।

पुरानी बात है, मेरे तीन बच्चे काफी छोटे थे। यही दो साल, चार साल और आठ साल, उन दिनों मेरा निवास फरीदाबाद में था। पड़ोस में एक मदरसा था, बच्चे वहां मौलवी से पढ़ने आते थे। शिक्षक होने के नाते मेरे मन में विचार जागा- 'क्यों न अपने बच्चों को भी उर्दू विषय पढ़ाया जाए? हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत के साथ एक और विषय जान लेंगे तो बुराई क्या है?' और मैंने मौलवी से कहा- 'हमारे तीन लड़कों को भी उर्दू पढ़ा दिया करो।' 'नहीं, यह संभव नहीं।

हमारे यहां तो मुस्लिम बच्चे ही पढ़ने आते हैं।' मैंने कहा- 'उर्दू पढ़ने से हिन्दू-मुस्लिम से क्या मतलब? मैं भी एक शिक्षक हूं, यही सोच है कि इन्हें उर्दू का ज्ञान दिया जाए। मदरसे में इन्हें भी भेज दिया करूंगा।' उसे मानो करंट लग गया। उसके चेहरे का रंग बदलने लगा। थोड़ा झंपकर मौलवी साहब हमें लगे- 'अरे मास्टर साहब, मैं कायदा इन्हें दे देता हूं, आप घर पर ही इन्हें पढ़ा दिया करें। मदरसे में इनका आना ठीक नहीं होगा।' उसने मुझे तीन कायदे दिए लेकिन मदरसे में हिन्दू बच्चों को वह पढ़ाने को राजी नहीं हुआ। उस रोज के बाद मैंने महसूस किया कि वह मुझसे दूरी बनाने लगा था। मुझसे कन्नी कांटने लगा था। कई बार मन में विचार भी जागा कि क्यों ये लोग मदरसे में हमें आने से रोकते हैं? यहां गौर करने लायक यह था कि दूसरे धर्म के लोगों की नजरों से, मदरसे की गतिविधियों में ये दूर ही रखना चाहते हैं। आखिर वहां कैसी विचारधारा परोसने में ये लोग लगे हुए हैं? अमन और शांति से जीवन को चलाने की क्यों नहीं सोचते, क्यों आस्तीनों में सांप हैं और क्यों दिलों में दूरियां हैं।

...अरे भाई, फनों से उगल दो जहर और शान्तचित्त निगाहें फेर लो और देखो--सुनहली सुबह सबके लिए आभामय होगी। उस सुबह के पल्लव को फैलाने दो और मूंदकर आंखें वतन की हरियाली को महसूस करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। खैर!रात जैसे भी नींद आई, नहीं आई, सुबह बिस्तर से उठ खड़ा हुआ। गली में किसी सब्जी बेचने वाले की आवाज सुनकर बालकनी में आकर खड़ा हो गया। पेड़ों पर पक्षी चहचहा रहे थे। गली में आदमी नहीं था। उसकी आवाज सुनकर, सब्जी खरीदने के लिए पत्नी घर से बाहर निकली। दाम-दमड़ी पूछा और आलू-प्याज तुलवा लिए। उचित काफसला तो रखना ही था, सो सब्जी वाले से पत्नी ने कहा- 'थैले में डालकर गेट के अंदर इसे रख दो, मैं पैसे लेकर आती हूं, यहीं से पैसे भी उठा लेना।' तभी, बराबर के मकान की बालकनी पर पड़ोसन आई। सब्जी वाले को उसने देखा तो दूर से ही चिल्लाकर पत्नी से कहने लगी- 'बहन जी, इनसे सब्जी नहीं लेना,मुसलमान है। शूक लगा कर लाया होगा।'

पड़ोसन की बात पर सभी चौंक पड़े। उसी चिल्लाहट में सब्जी वाले को पड़ोसन ने कहा- 'भाग यहां से, तुम्हारा भरोसा क्या?'

कवि कॉर्नर	
कविता	भृपसिंह भारती



तिरंगा

गीत

सबसे प्यारा ध्वज तिरंगा, नील गगन में लहराए।
सकता है अमिमान तिरंगा, झर पर बलि-बलि जाए॥

तीन रंग का संगम न्यारा, तभी तिरंगा कहनाए,
चक्र बीच में सजा जो, चलना हमको सिखलाए,
मनभावना रूप है इसका, ये सबके मन को भाये।

सबसे ऊपर है केसरिया, भाव जगाए बलिदानी,
आन, बान, सम्मान तिरंगा, चलते लेकटर सेनानी,
झंसे देख पाग रंग में उठते, हम झर पर जान लुटाए।

श्वेत रंग है बीच तिरंगा, शांति सीख सिखलाए,
वैरभाव दो खेड़ समी तुम, सम्भाव हृदय बसाता,
सत्य, अहिंसा पर चलना है, सार यही बतलाए।

हरा रंग है सबसे नीचे, यह प्रतीक हरियाली का,
रोज मौन हो देश मेरे में, यही रंग खुशहाली का,
विश्व विजयी तिरंगा प्यारा, ये गीत 'भारती' गाए।

कविता	मनीषा मंजरी
अपूर्णता का आकाश	

धूप-छांव से परे हरे मैदानों ने,
कभी तो मौसम नया पाया होगा,
दिन और रात की कश्मकश से दूर,
क्षितिज ने रंग नया दिखाया होगा।

पूर्णता के क्षम को कभी तो
नवजीवन ने आग लगाया होगा,
अपूर्ण क्षणों की मृगतृष्णा ने,
दासता से स्वयं को बचाया होगा।

कभी बहारों के गलियारों ने भी,
किसी बाग में पतझड़ बरपाया होगा,
बारिशें ठहरी होंगी शहर में,
और प्यासों ने अश्रु को बहया होगा।

भाग रही थीं राहें गुपचुप,
क्या कदमों ने शोर मचाया होगा,
कारवां या अजनबियों का क्या
अपनेपन की कस्तूरी ने मन भरमाया होगा।

शह की ज़िद ने, दलती शाम से
दिल को लगाया होगा,
मिलकर बिछड़ने का दर्द,
आसमान ने फिर समझाया होगा।

स्वाभाव फैले थे अगनिनत पर,
क्या चुनने की हिम्मत ने हाथ बढ़ाया होगा,
टुकड़ों की चुमन ने लहू के रंग
को भी तो तड़पाया होगा।

स्वच्छंद हुईं उड़ानें पर पंखों ने भी तो
जोड़ लगाया होगा,
ऊंचाइयों की चाहतों ने ही तो,
जंजीरों से अस्तित्व छुड़ाया होगा।

चुनाव में एकांत रहा, पर साथ कभी तो
सम्मान ने भी आजमाया होगा,
मुस्कान की शायशैया पर संग बैठ, वैराग्य
से मोह लगाया होगा।

सत्य की खोज और व्हाट्सएप के सर्वज्ञानी



व्यंग्य

ज़ही पाठक

मनुष्य में ज्ञान बांटने की इच्छा हमेशा से रही है। पहले कठिनाई यह थी कि ज्ञान बांटने से पहले ज्ञानी होना पड़ता था। व्हाट्सएप ने यह कठिनाई दूर कर दी है। मेरे एक परिचित हैं। सुबह उठकर गगवान का नाम बाद में लेते हैं, पहले देखते हैं कि रातभर देश में क्या-क्या हो गया। देश में जो वास्तव में हुआ हो, उसमें उनकी विशेष रुचि नहीं है। उनकी रुचि उसमें है जो रात दो बजे किसी दूसरे गुप से उनके गुप में आया है। वे सुबह सात बजे तक जान चुके होते हैं कि चीन क्या करने वाला है, अमेरिका क्यों डर रहा है, जापान ने भारत से क्या सीख लिया है और हल्दी के पानी से कौन-सी बीमारी जुड़ से समाप्त होनी वाली है। हमारे यहां किसी बात के सच होने की पुरानी पद्धति बड़ी जटिल थी। दस्तावेज खोजिए, पुस्तक देखिए, जानकार से पूछिए। अब सत्य ने काफी तरक्की कर ली है। यदि कोई बात एक गुप में आए तो संभव है।

दो गुप में आए तो संभावित सत्य है। तीन गुप में आ जाए तो लगभग प्रमाणित है। व्हाट्सएप ने देश में विज्ञानों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढ़ाई है। पहले मोटिल्ले में एक डॉक्टर होता था। अब हर गुप में सात हैं। फर्क इतना है कि असली डॉक्टर मरीज देखकर दवा बताता है और ये बिना मरीज देखे बीमारी भी बता देते हैं, दवा भी और मेडिकल साइंस की साजिश भी। इतिहास विभाग यहां और

मोटिवेशनल

जब सब-कुछ है, फिर भी मन खाली क्यों है ?

आज के समय में, बहुत लोगों के पास अच्छा घर है, अच्छी नौकरी है, बैंक बैलेंस है, और आधुनिक सुविधाएं भी, फिर भी दिल में एक अजीब-सी बेचैनी और खालीपन कहीं ना कहीं बना रहता है। आज हमारी इच्छाएं हैं कि कुछ तो कमी है, आखिर ऐसा क्यों होता है? शायद बात यह है कि जीवन की सबसे बड़ी जरूरत सिर्फ सुविधाएं नहीं होतीं, बल्कि संतोष, अपनापन और लक्ष्य भी चाहिए। जब हम अपनी खुशी को ही धन, पद या दूसरे लोगों की तारीफ से जोड़ देते हैं तो तब थोड़ी-सी कमी भी हमें अधूरा या महसूस कराने लगती है। हम सफलता का रास्ता तो पकड़ लेते हैं, पर सुकून कहीं पीछे छूट जाता है, फिर मन घबरया सा रहने लगता है। आज हमारी इच्छाओं की सूची सब बढ़ती जा रही है, लेकिन दिल की जरूरतें, उन्हें हम दरकिनार कर देते हैं। फिर चाहे सब कुछ हो,

फिर भी मन खाली और भावनाएं कुछ सूनी सी लगती हैं। यद रक्षिए, यह मन का खालीपन किसी नई चीज से नहीं भरता, बल्कि अच्छे रिश्तों से, कृतज्ञता से, आत्मचिंतन से और दूसरों के जीवन में एक छोटा-सा भी सकारात्मक योगदान करने से धीरे-धीरे भरता है। कई बार, किसी अपने के साथ बीता हुआ एक घंटा, किसी जरूरतमंद की मदद, या प्रकृति के बीच कुछ पल, वही खुशी दे देते हैं जो लाखों रुपये भी नहीं दे सकते। जीवन की असली समृद्धि मन की शांति और चेहरे की मुस्कान से होती है। जब आपका मन संतुष्ट होगा, तभी जीवन सच में सार्थक लगेगा ।

हमें यह जानने में उतनी दिलचस्पी नहीं कि सच क्या है, हमें यह जानकर ज्यादा आनंद आता है कि जिसे हम सच मानते थे, वही सच निकला। यही कारण है कि व्हाट्सएप विश्वविद्यालय का विद्यार्थी कभी पास होकर बाहर नहीं निकलता। उसकी पढ़ाई आजीवन चलती रहती है। उम्र के साथ उसकी डिग्रियां बढ़ती जाती हैं और संसार की प्रत्येक जटिल समस्या का समाधान उसके पास होता है, सिवाय अपनी खुद की समस्याओं के।

भी समझू है। इतिहास की कोई भी घटना लीजिए, व्हाट्सएप के पास उसका वह संस्करण मौजूद है जो इतिहासकारों के पास नहीं है। इतिहासकार की मजबूरी है कि वह प्रमाण खोजता है। व्हाट्सएप इतिहासकार इस बंधन से मुक्त है। वह सीधे उस जगह पहुंचता है जहां प्रमाण पहुंचने में अभी दो-चार शताब्दियां लगेगी। यहां अर्थशास्त्र भी अत्यंत सरल है। पेट्रोल महंगा हो, रुपया गिरे, शेयर बाजार चढ़े या सब्जी महंगी हो, हर आर्थिक घटना को समझाने के लिए एक दाई मिनट का वीडियो उपलब्ध है। वीडियो बनाने वाले

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

व्यक्ति की आर्थिक योग्यता जानना आवश्यक नहीं। उसका आत्मविश्वास ही उसकी डिग्री है। यहां विश्वविद्यालयों वाली संकीर्णता भी नहीं है। वहां आदमी एक विषय का प्रोफेसर होता है। यहां एक ही व्यक्ति सुबह इतिहासकार, दस बजे चिकित्सक, दोपहर में अर्थशास्त्री, शाम को रक्षा विशेषज्ञ और रात होते-होते संधिधान विशेषज्ञ हो जाता है। रविवार को थोड़ा खाली समय मिले तो अंतरिक्ष विज्ञान भी देख लेता है। इस विश्वविद्यालय का कुलपति गुप एडमिन होता है। उसके पास अकादमिक योग्यता भले न हो, संवैधानिक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं। एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिए" सबकी नजरें उसकी तरफ मुड़ीं। वो धीरे-धीरे अंदर आई और उस औरत विमला के पास जाकर खड़ी हो गई जिसने अभी-अभी अपना पति खोया था। उसने सबकी तरफ देखा और कहा, "आज कोई नियम नहीं बताएगा" कमरे में हलचल हुई और कुछ आवाजें एक साथ आई, "ये क्या तरीका है?" "समाज ऐसे नहीं चलता" कुसुम शत थी, लेकिन आवाज ठहरी हुई, "समाज ऐसे ही चलता आया है और इसलिए इतना अव्याय भी हुआ है" कुछ लोग गुप हो गए। कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो "थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं- 'रुक जाओ बदल जाओ '

" कमरे में गहरी खामोशी पड़ी। उसने धीरे से विमला का हाथ पकड़ लिया— "आज से न कोई बदलेगा न कोई रुकेगा"

सबकी सांसें थम-सी गईं। कुसुम ने साफ कहा, "आज से- दुख होगा तो दोनों के लिए एक जैसा होगा और जीने का हक भी दोनों के लिए एक जैसा होगा"

कोई कुछ नहीं बोला। कमरे में गहरा सन्नाटा था। इस बार कोई नियम सुनाने आगे नहीं बढ़ा।

लघु कथा

जीने का हक

गांव में फिर एक घर में शोक हुआ था। लोग इकट्ठा थे... फुसफुसाहटें थीं, बड़ी उम्र की बहुत सी महिलाएं भी वहीं खड़ी थीं।

एक ने कहा, "अब इसे समझाना पड़ेगा" "कैसे रहना है, ये बताना होगा" कुछ औरतें आगे बढ़ीं। तभी दरवाजे पर खड़ी कुसुम ने कहा "रुकिए"



डॉं अंजना गर्ग

कहानीकार

कुछ लोग गुप हो गए। कुसुम आगे बोली, " जब इस गांव में किसी आदमी की पत्नी जाती है, तो हम उसे कहते हैं— संभल जाओ आगे बढ़ो "थोड़ा रुककर - "और जब किसी औरत का पति मर जाता है, तो हम उसे सिखाते हैं- 'रुक जाओ बदल जाओ '

डॉ. मोहित बंसल करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

आज के समय में केवल डिग्री प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है। कंपनियों ऐसे विद्यार्थियों को प्राथमिकता देती हैं जिनके पास व्यावहारिक ज्ञान, कार्य अनुभव और उद्योग जगत की समझ हो। यही कारण है कि इंटरनशिप आज प्रत्येक विद्यार्थी के करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। चाहे विद्यार्थी इंजीनियरिंग, प्रबंधन, कॉमर्स, कंप्यूटर एप्लीकेशन, मीडिया, फार्मेसी, आर्किटेक्चर या किसी अन्य पाठ्यक्रम से संबंधित हो, इंटरनशिप उन्हें वास्तविक कार्य वातावरण को समझने और अपने कौशल को विकसित करने का अवसर प्रदान करती है।

इंटर्नशिप क्यों आवश्यक है? कार्य अनुभव प्राप्त होता है , व्यावित्तिक एवं संचार कौशल विकसित होते हैं, रोजगार के



इन बातों को रखें ध्यान

- कअधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें
- प्रमाण पत्र और वयन पत्र की धैरता जाँचें
- फर्जी या क्षमक प्रस्ताव से सावधान रहें
- अपने विषय और करियर लक्ष्य से संबंधित इंटरनशिप का चयन करें
- अपना जीवनवृत्त और व्यावसायिक प्रोफाइल व्यवस्थित रखें

किनके लिए है महत्वपूर्ण

- इंजीनियरिंग एवं पॉलिटेक्निक विद्यार्थी
- प्रबंधन एवं कॉमर्स विद्यार्थी
- कंप्यूटर एप्लीकेशन विद्यार्थी
- मीडिया एवं पत्रकारिता विद्यार्थी
- फार्मेसी एवं स्वास्थ्य क्षेत्र के विद्यार्थी
- आर्किटेक्चर एवं डिजाइन विद्यार्थी
- कला एवं मानविकी विषयों के विद्यार्थी

क्या सीखने का प्रयास करें?

- इंटरनशिप के दौरान समय प्रबंधन
 - टीम के साथ कार्य करना
 - व्यावसायिक संचार कौशल
 - प्रस्तुतीकरण कौशल
 - समस्या समाधान क्षमता
 - तकनीकी और डिजिटल उपकरणों का उपयोग
- इंटर्नशिप केवल प्रमाण पत्र प्राप्त करने का माध्यम नहीं बल्कि स्वयं को उद्योग जगत के लिए तैयार करने का अवसर है।सुझाव: किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

रोहतक, सोमवार, 10 अगस्त 2026

पुस्तक समीक्षा

सामाजिक-राजनीतिक

दस्तावेज है ‘उस पार’



समीक्षक

वंदना कपूर

उपन्यास ‘उस पार’ केवल आतंकवाद पर आधारित कथा नहीं है, बल्कि यह शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक विषमता, युवाओं की निराशा, विभाजन की ऐतिहासिक पीड़ा, राष्ट्रवाद, मानवता तथा प्रेम के जटिल संबंधों की पड़ताल करने वाला सामाजिक-राजनीतिक उपन्यास है। उपन्यास का सबसे बड़ा गुण यह प्रतीत होता है कि लेखक आतंकवाद को केवल अपराध के रूप में नहीं, बल्कि उसके पीछे छिपी परिस्थितियों, वैचारिक शोषण और मानव मन की टूटन के साथ देखने का प्रयास करता है। कहानी में पात्रों के माध्यम से यह प्रश्न उठाया गया है कि क्या व्यवस्था की विफलताएं भी अपराध की सह-उत्प्रेरक होती हैं। कथाका में प्रेम, संघर्ष, विश्वासघात और राष्ट्रभक्ति समानांतर चलते हैं।



यश भारद्वाज

लेखक

प्रभावशाली, संवादप्रधान तथा सिनेमाई प्रतीत होती है। यही कारण है कि इसके कई दृश्य फिल्मों रूपांतरण की संभावना भी दर्शाते हैं। लेखक भावनात्मक संवादों और नाटकीय परिस्थितियों के माध्यम से पाठक की उत्सुकता बनाए रखने का प्रयास करता है। हालांकि किसी भी ऐसे विषय पर लिखे गए साहित्य का मूल्यांकन अंततः संपूर्ण पाठ पढ़ने के बाद ही निश्चित रूप से किया जा सकता है। केवल प्रचार सामग्री के आधार पर इसकी ऐतिहासिक या तथ्यात्मक शुद्धता का अंतिम निर्णय नहीं दिया जा सकता। यदि उपन्यास संवेदनशील विषयों को संतुलन, मानवीय दृष्टि और तथ्यपरकता के साथ प्रस्तुत करता है, तो यह समकालीन हिंदी साहित्य में एक विचरोतेजक कृति सिद्ध हो सकती है। समग्रतः ‘उस पार’ एक ऐसा उपन्यास प्रतीत होता है जो केवल मनोरंजन नहीं करता, बल्कि पाठक से कठिन प्रश्न पूछता है- युवाओं का भविष्य, व्यवस्था की जिम्मेदारी, आतंकवाद की जड़, इतिहास की प्रतिक्रिया और मानवता का मूल्य। यही इसकी सबसे बड़ी साहित्यिक शक्ति दिखाई देती है।

खबर संक्षेप

पूर्व कुलपति के निधन पर
अरविंद शर्मा ने जताया शोक



झज्जर। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति एवं शिक्षाविद डॉक्टर विवेक चंद शर्मा के निधन पर गोहाना से विधायक और कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद कुमार शर्मा ने शोक व्यक्त किया और पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉक्टर अरविंद शर्मा ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि डॉक्टर विवेक चंद शर्मा का निधन शिक्षा जगत और समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। वह केवल एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद ही नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील व्यक्तित्व भी थे। शिक्षा के क्षेत्र में उन्होंने लंबे समय तक उल्लेखनीय सेवाएं दीं और नेहरू कॉलेज के प्राचार्य के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन किया। इस दौरान पूर्व चेयरमैन ईश्वर शर्मा, पार्श्वद मिथुन शर्मा, मुकुल कौशिक, नीरज भगत सहित अन्य भी मौजूद रहे।

सीवररेज व्यवस्था हुई बदहाल, लोगों के लिए बनी परेशानी

शहर के बाग वाला मोहल्ला में बिना बरसात हुआ जलभराव

गत वीरवार को इसी क्षेत्र में ओमप्रकाश की करंट लगने से हुई थी मौत, हादसे के बाद भी सुरक्षा व्यवस्था व जलभराव को लेकर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज़ >>> बहादुरगढ़

शहर के बाग वाला मोहल्ला में सीवर व्यवस्था की बदहाल स्थिति लोगों के लिए परेशानी के साथ-साथ खतरे का कारण बनी हुई है। रविवार को भी मोहल्ले में सीवर का गंदा पानी जमा रहा, जिससे यहां तालाब जैसी स्थिति बनी रही। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसी स्थान पर कुछ दिन पहले करंट लगने से ओमप्रकाश नामक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से स्थानीय लोगों में रोष है। स्थानीय लोगों के अनुसार सीवर का पानी सड़क और



बहादुरगढ़। बाग वाला मोहल्ला में भरे गंदे पानी से गुजरते वाहन।

फोटो : हरिभूमि

आसपास के क्षेत्र में जमा होने से आवागमन मुश्किल हो गया है। लंबे समय तक गंदा पानी खड़ा रहने के कारण बदबू और मच्छरों की समस्या भी बढ़ रही है। लोगों को आशंका है कि पानी के बीच बिजली के तारों या अन्य विद्युत उपकरणों से करंट फैलने की स्थिति में दोबारा कोई बड़ा हादसा हो सकता है। विदित है कि वीरवार को इसी क्षेत्र में ओमप्रकाश की करंट लगने से

मौत हो गई थी। हादसे के बाद क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और जलभराव को लेकर सवाल उठे थे। लोगों को उम्मीद थी कि संबंधित विभाग तत्काल कदम उठाकर समस्या का समाधान करेंगे, लेकिन रविवार को भी मौके पर सीवर का पानी जमा दिखाई दिया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि बारिश या सीवर ओवरफ्लो होने के बाद इस इलाके में

जलभराव की समस्या आम हो गई है। गंदे पानी की निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर पानी जमा रहता है। ऐसे में राहगीरों, बच्चों और आसपास रहने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ओमप्रकाश की मौत के बाद भी उसी स्थान पर सीवर का पानी जमा रहना व्यवस्था पर सवाल खड़े कर रहा है।



अभिभावकों ने लिया अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा

झज्जर। कैबिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के विद्यार्थियों की प्रथम इकाई परीक्षा के उपलब्ध में रविवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया। अभिभावकों ने अपने बच्चों की आदतों, रुचियों, शैक्षिक प्रदर्शन एवं समग्र विकास से संबंधित जानकारी शिक्षकों से प्राप्त की। विद्यालय निदेशक धर्मेन्द्र जून ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर इस प्रकार की बैठकों का आयोजन किया जाता है। ये बैठकें विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं। इस दौरान अभिभावकों ने विद्यालय की शिक्षण पद्धति, अनुशासन एवं विभिन्न गतिविधियों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सकारात्मक सुझाव भी दिए जिन्हें शिक्षकों द्वारा नोट कर लिया गया।

कवियों ने अगस्त क्रांति दिवस के महत्व का किया व्याख्यान

बहादुरगढ़। शहीद यादगार कमेटी द्वारा रविवार को दीनबन्धु सर छोट्टराम धर्मशाला में भारत छोड़ो आंदोलन के बलिदानियों और वीरोंगनाओं की स्मृति में कार्यक्रम आयोजित किया। वयोवृद्ध समाजसेवी मास्टर सतपाल देहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्था के अध्यक्ष धनराज तहलान व महासचिव डॉ.राकेश वत्स सहित सतवीर देहिया, मास्टर राजपाल, गुरुजीत सिंह, निर्यानंद नवीन, सुरेंद्र पाल मेहता आदि ने आज्ञादी की लड़ाई में शहीद हुए वीरों को अपने भाव पुष्प अर्पित किए। कलमवीर विचार मंच के सदस्य विरेंद कौशिक, शिव ओम शिव, सुरेश कौशिक, वेद भारती, मुकेश व्यास, मोहित कौशिक, अर्चना झा, मुन्ना दिल्लीरी आदि ने उन्हें अपनी कविताओं के माध्यम से शहीदों को याद किया। धर्मशाला समिति उपाध्यक्ष प्रदीप लडरावन के सानिध्य में हुए कार्यक्रम का संचालन कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने किया।



युवा जागृति और सामाजिक उत्थान मंच ने लगाया 55वां रक्तदान शिविर

रक्तदान शिविर में 40 रक्तवीरों ने बढ़ाए हाथ

हरिभूमि न्यूज़ >>> झज्जर

रविवार को काठ मंडी बेरी के अग्रवाल स्वागत भवन में क्षेत्र की गैर-सरकारी संस्था युवा जागृति एवं सामाजिक उत्थान मंच द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में भाजपा नेता संजय कबलाना ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। मंच द्वारा आयोजित 55वें रक्तदान शिविर में रक्त एकत्रण का कार्य एम्स बाढ़सा के ब्लड बैंक की टीम में शामिल डॉक्टर चारुल, रेणुका कादियान व नरेंद्र तंवर ने किया। मुख्यातिथि



झज्जर। बैज लगाकर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते हुए मुख्यातिथि।

संजय कबलाना ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने ऐसे आयोजन के लिए संगठन सदस्यों की सराहना की। शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्र हुआ। इस मौके पर पूर्व पार्षद जय भगवान, अध्यक्ष दिनेश कुमार, पूर्व अध्यक्ष नवीन बंसल, अग्रवाल सभा बेरी की कार्यकारिणी के अध्यक्ष अभय ऐरण, उपाध्यक्ष प्रेम

कंसल, कोषाध्यक्ष संदीप बंसल, राजेंद्र कंसल, पार्श्व जितेंद्र, नगरपालिका बेरी के पूर्व उपाध्यक्ष रविंद्र वर्मा, बुजेश, नवीन कंसल, राजबाला, पंडित कृष्ण शर्मा, मनीष, सचिन, महेश, संदीप, मनोज, हवा सिंह, अजमेर, आशीष, तरुण, सतेंद्र, राहुल, सोमबीर, विनोद, बलराम, अमित, रविंद्र, सुनील, मिताली ऐरण, लावण्या आदि रहे।

विधायक जून ने किया पौधे लगाने और तिरंगा फहराने का आह्वान

बहादुरगढ़। क्षेत्र में आयोजित एक कार्यक्रम में हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करते हुए विधायक राजेश जून ने लोगों से पौधा लगाने और हरियाली बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ ही उनकी देखभाल और संरक्षण भी हमारी जिम्मेदारी है। आमजन इस अभियान से जुड़कर अपने घर, खेत, सार्वजनिक स्थानों और संस्थानों में पौधे लगाए और उन्हें वृक्ष बनने तक संरक्षण दें। इसके बाद उन्होंने स्पीकर हरविंदर कल्याण के साथ खुली गाड़ी में सवार होकर तिरंगा यात्रा निकाली। विधायक राजेश जून ने कहा कि प्रत्येक देशवासी को हर घर तिरंगा अभियान से जुड़कर देश की आन-बान-शान तिरंगे का सम्मान करना चाहिए। विधायक जून ने लोगों से तिरंगा फहराने का भी आह्वान किया।



विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक-शिक्षक बैठक जरूरी: महिपाल

■ बैठक में 95 प्रतिशत अभिभावकों ने दर्ज कराई उपस्थिति

हरिभूमि न्यूज़ >>> झज्जर

संस्कारम पब्लिक स्कूल में रविवार को नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की तीसरी अभिभावक-अध्यापक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में 95 प्रतिशत से अधिक अभिभावकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए शिक्षकों से मिलकर अपने बच्चों की शैक्षणिक रिपोर्ट का जायजा लिया। संस्थान के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने कहा कि विद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकता विद्यार्थियों का परिणाम है। उनके द्वारा सबसे पहले एनडीए, उसके पश्चात जेईई, फिर बोर्ड परीक्षा



झज्जर। पीटीएम में बच्चों की शैक्षणिक प्रगति का जायजा लेते हुए अभिभावक।

तथा नीट की तैयारी पर क्रमबद्ध रूप से फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए इस प्रकार की बैठकों का आयोजन का आवश्यक है। प्राचार्या प्रीति गोयल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के व्यक्तित्व, संस्कार व चारित्रिक विकास पर भी समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है, ताकि वे हर क्षेत्र में

भोले भंग तुम्हारी मैं घोटत घोटत हारी.. भजन पर भाव विभोर हुए श्रद्धालु

■ भगवान शिव विश्वास, पार्वती श्रद्धा और सती बुद्धि का स्वरूप

हरिभूमि न्यूज़ >>> झज्जर

भगवान शिव विश्वास, पार्वती श्रद्धा और सती बुद्धि का स्वरूप हैं। शिव पुराण की कथा हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। सावन महीने में शिव कथा सुनने से कष्ट दूर होते हैं। यह बात बाबा कांशीगिरि मंदिर में पंडित पवन कौशिक ने शिवपुराण कथा में शिव की महिमा का व्याख्यान करते हुए कही। उन्होंने कहा कि माता सती भगवान शिव के मना करने पर भी प्रजापति दक्ष के यज्ञ में पहुंची। बिना बुलाए अपने पिता के घर गईं। अपमान का सामना न करते हुए अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। शिव पुराण की कथा हमें उपदेश देती है कि जीवन साथी और अपने गुरु पर विश्वास व श्रद्धा होनी जरूरी है। बिन बुलाए मेहमान और बिना परिवार की आज्ञा



झज्जर। बाबा कांशीगिरि मंदिर में भजनों का आनंद लेते हुए श्रद्धालु।

से कहीं पर भी जाना शुभ नहीं होता। उन्होंने कहा कि हमें भगवान शिव की भक्ति उनकी गाथाओं का श्रवण करना चाहिए। वहीं संगीता वर्मा, संतोष हंस, सुषमा गोसाई, पूनम छाबड़ा, इंदू भूगड़ा सहित महिला मंडली की सदस्यों ने मधुर भजनों के साथ भगवान भोले नाथ का गुणगान किया। मेरे अंगना में आए भोले नाथ सखिरी क्या मांगूं. प्रीति गाबा ने भोला भंग तुम्हारी मैं घोटत

घोटत हारी..आदि भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भाव विभोर कर दिया। इस मौके पर इंदू भूगड़ा, संध्या आर्य, इंदू शर्मा, नारायणी सरदाना, संतोष हंस, पूनम चुप, प्रीति गाबा, यशिका रंजन, विशान वधवा, शीला देवी चुध, कांता हंस, रितू नारंग, नीलम गाबा, रोजी नारंग, आंचल सेठी, अश्वनी शर्मा, रमेश लखेरा सहित अन्य भी मौजूद रहे।

इनेलो कार्यालय में हुई बेरी हलका कार्यकर्ताओं की बैठक

झज्जर। रविवार को इनेलो कार्यालय में बेरी हलके के कार्यकर्ताओं की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान व हलकाध्यक्ष बलराज खरहर ने की। बैठक में आगामी 23 अगस्त इनेलो सुप्रीमो अमय सिंह चौटाला के आगमन कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष सतपाल पहलवान ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन डीडल गांव में पुरानी गौशाला के सामने दोपहर बाद चार बजे किया जाएगा जहां अमय सिंह चौटाला हलका कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसके अलावा सितंबर माह में नूंह में मनाई जाने वाले ताऊ देवीलाल जयंती समारोह के आयोजन को सफल बनाने के संबंध में कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी भी लगाई जाएगी। इस मौके पर युवा जिलाध्यक्ष अमरजीत कादियान, हलका प्रधान सोनू मदाना, धर्मवीर, राजेंद्र, बलजीत फोगाट, जयप्रकाश, सूरजमान, मास्टर सुखबीर सहित अन्य भी उपस्थित रहे।



भाविप की बैठक में पर्यावरण संरक्षण पर हुई चर्चा

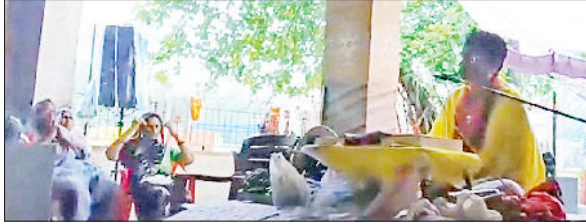
बहादुरगढ़। भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संयोजक (पर्यावरण) अशोक गुप्ता ने ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा के कार्यालय में जिले की विभिन्न शाखाओं के पर्यावरण संयोजकों की बैठक ली। बैठक में प्रांतीय पर्यावरण संयोजक अमृतलाल तथा प्रांतीय संगठन सचिव मूलचंद जोशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। बैठक में पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में प्रकृति का दोहन काफी तेजी से बढ़ रहा है। जिससे ग्लोबल वार्मिंग भी काफी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम में लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर उनकी देखभाल करने का संकल्प लेना चाहिए। बैठक में जिला समन्वयक सतीश शर्मा, अध्यक्ष रमेश गुप्ता, मुरारीलाल गोयल, सचिव विजय पुहानी, विरेंद्र कौशिक, हरीश बजाज, सुरजीत धावरी, रमेश सुखीजा, चंचल गर्ग, संजय गर्ग, राहुल सिंघल और राजबीर बंसल उपस्थित रहे।

शिव महापुराण का श्रवण जीवन में देता है सकारात्मक ऊर्जा : शतानंद

■ शिव महापुराण कथा का यज्ञ के साथ हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज़ >>> झज्जर

शहर के बेरी गेट स्थित शिव मंदिर में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा सप्ताह का हवन-यज्ञ एवं पूर्णहृति के साथ समापन हुआ। कथा के समापन अवसर पर श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद श्रद्धालुओं में खीर का प्रसाद वितरित किया गया तथा कथा के शुभारंभ पर कलश स्थापित करने वाली महिलाओं को उनके कलश लौटाए गए। आयोजक समिति सदस्य



झज्जर। कथा का श्रवण करते हुए पंडित शतानंद द्विवेदी।

महावीर सैनी ने बताया कि शिव मंदिर में शिव महापुराण कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से सायं छह बजे तक किया गया। कथा वाचक पंडित शतानंद द्विवेदी ने सप्ताह भर श्रद्धालुओं को शिव महापुराण की महिमा, भगवान शिव तथा सदाचार से जुड़े प्रसंगों का

श्रवण कराया। उन्होंने कहा कि शिव महापुराण का श्रवण व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मिक शांति और धर्म के प्रति आस्था को मजबूत करता है। इस मौके पर शेर सिंह सैनी, हितेंद्र, राजू पटवा, नरेंद्र सोलंकी, दीपांशु, विजया देवी, लक्ष्या, रुद्राणी, दीक्षा, लक्षिका, गार्गी, सपना आदि रहे।



अब गिल लगने से शहर के जर्जर लाल चौक की बदलेगी सूरत

बहादुरगढ़। शहर में सेंट्रल वर्ज के ब्यूटीफिकेशन की प्रक्रिया के बीच अब लाल चौक की भी तस्वीर बदलने की कवायद शुरू हो गई है। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़े लाल चौक के चौराहे पर नगर परिषद की ओर से गिल लगाने का काम रविवार से शुरू कर दिया गया। इससे चौराहे को व्यवस्थित और आकर्षक बनाने के साथ-साथ यातायात व्यवस्था में भी सुधार की उम्मीद है। विदित है कि कुछ दिन पहले नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने यातायात पुलिस और नगर परिषद के अधिकारियों के साथ लाल चौक का मौके पर जायजा लिया था। निरीक्षण के दौरान चौराहे की बदहाल स्थिति और यातायात संबंधी समस्याओं को देखते हुए यहां गिल लगाने के निर्देश दिए गए थे। अधिकारियों को चौराहे की व्यवस्थित करने और सौंदर्यीकरण की दिशा में आवश्यक कदम उठाने को कहा गया था। रविवार को नगर परिषद की टीम ने मौके पर पहुंचकर गिल लगाने का काम शुरू कर दिया।

चौथे दिन भी जारी रही नपा सफाई कर्मियों की हड़ताल 13 मई को हुए समझौते को लागू करने की मांग दोहराई

नगर पालिका संघ ने हड़ताल को 11 तक बढ़ाने का लिया फैसला, सरकार दो चेतावनी

हरिभूमि न्यूज़ >>> बहादुरगढ़

सर्व कर्मचारी संघ से संबंधित नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर रविवार को हड़ताल का चौथा दिन रहा। प्रदर्शन की अध्यक्षता बहादुरगढ़ इकाई प्रधान राजेश बालगुहेर व मंच संचालन सचिव अमित ने किया। कर्मचारियों ने 13



बहादुरगढ़। सरकार विरोधी नारे लगाते सफाईकर्मि।

मई को हुए सफाई कर्मचारी और अग्निशमन विभाग के समझौते को लागू करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेका प्रथा बंद करने,

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू करने, एचकेआरएन को भंग करने और 17 मांगों पर बनी पक्की सहमति का लेटर जारी करने

की मांग दोहराई। नगर पालिका कर्मचारी संघ ने 8 अगस्त को फैसला लिया कि अब 11 अगस्त तक हड़ताल को बढ़ा दिया गया

सब-जूनियर बास्केटबाल चैंपियनशिप में कई टीमों ने दिखाया दमखम

अंडर-14 में डीघल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर चैंपियनशिप जीती



बहादुरगढ़। प्वाइंट हासिल करने का प्रयास करते बास्केटबॉल खिलाड़ी और विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते एसोसिएशन पदाधिकारी।



फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

गांव छारा स्थित राजीव गांधी खेल परिसर में जिला स्तरीय सब-जूनियर बास्केटबाल चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। सब-जूनियर बालक वर्ग अंडर-14 में डीघल की टीम ने प्रथम स्थान हासिल कर चैंपियनशिप जीती।

वहीं बालिका वर्ग में छारा की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल

किया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंची बालक व बालिकाओं की टीमों ने दमखम दिखाया। खिलाड़ियों ने कोर्ट पर शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए कड़ा संघर्ष किया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला और खेल परिसर में दर्शकों ने भी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। लड़कों में बहादुरगढ़ की टीम दूसरे स्थान और झामरी की टीम ने तीसरे

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इसके अलावा कोच तनवी, राजेश, बिजेंद्र, बलवान, सागर, अमन और चिराग ने खिलाड़ियों को मार्गदर्शन दिया। समापन अवसर पर अधिवक्ता अंकित दलाल, जेजेपी के जिलाध्यक्ष संजय दलाल, नगर पालिका बरी के वाइस चेयरमैन संदीप कादयान, शाहपुर के विक्की पहलवान, छारा के रमेश पहलवान और सुनील रूहिल आदि अतिथियों

ने विजेता और उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अतिथियों ने कहा कि ग्रामीण अंचल में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल इन प्रतिभाओं को उचित मंच, प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराने की है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल को पूरी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ जारी रखने का आह्वान किया।

स्नातक कक्षाओं के दाखिलों मैराथन में जीते बीआरजी के धावक

की ओपन काउंसलिंग शुरू

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

विभिन्न कॉलेजों में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीबीए और बीसीए आदि स्नातक कक्षाओं के दाखिलों की ओपन काउंसलिंग शुरू हो गई है। राजकीय स्नातकोत्तर नेहरू महाविद्यालय के जनसंचार विभागाध्यक्ष और मीडिया प्रभारी डॉक्टर अमित भारद्वाज ने बताया कि नए आवेदनों के लिए भी ऑनलाइन पोर्टल खुल गया है। जिन विद्यार्थियों ने अभी तक ऑनलाइन आवेदन नहीं किया है, वे भी उच्चतर शिक्षा विभाग के एडमिशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करके दाखिला ले सकते हैं। 100 रुपए लेट फीस के साथ 16 अगस्त तक एडमिशन



डॉक्टर अमित

लिखा जा सकता है। इसके बाद 17 अगस्त से 23 अगस्त तक 100 रुपए प्रतिदिन अतिरिक्त लेट फीस लागेगी। नेहरू कॉलेज में यूजी कक्षाओं की 1200 सीटें हैं। इनमें से बीए की 480 सीटों में 195 भरी हैं और 285 खाली हैं, बीसीए की 80 सीटों में 59 भरी हैं और 21 खाली हैं, बीबीए की 80 सीटों में 37 भरी हैं और 43 खाली हैं, बीकॉम की 140 सीटों में 51 भरी हैं और 89 खाली हैं, बीएससी फिजिकल साइंस की 300 सीटों में 32 भरी हैं और 268 खाली हैं, बीएससी लाइफ साइंस की 80 सीटों में 30 भरी हैं और 50 खाली हैं तथा बीएससी गणित की 40 सीटों में 09 भरी हैं और 31 खाली हैं।

■ अर्पिता सेनी ने प्रथम स्थान हासिल कर 71 हजार रुपये जीते

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

माउंट आबू में हुई 8वीं दादी प्रकाशमणि आबू हाफ मैराथन में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के धावकों ने शानदार प्रदर्शन किया। बीआरजी की अर्पिता सेनी ने ओपन वर्ग में प्रथम स्थान हासिल करते हुए 71 हजार रुपये का नकद पुरस्कार जीता।

कृष्णा राणा ने द्वितीय स्थान प्राप्त करते हुए 41 हजार रुपये का पुरस्कार प्राप्त किया। बीआरजी के ब्रह्मपराशर ने 55 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 घंटे 15 मिनट में दौड़ पूरी की। प्रतियोगिता में दीपक छिल्लर,



बहादुरगढ़। जीत के बाद खुशी जाहिर करते बीआरजी के धावक।

फोटो: हरिभूमि

डॉ. किरण छिल्लर, ललित पांडेय, अनुराग सचान, सुनील कश्यप, रोहित कुमार, जुगमंदर अंतिल, आरती

खबर संक्षेप



नई कार्यकारिणी को किया सम्मानित

बहादुरगढ़। पंडित लक्ष्मीचंद धर्मशाला समिति के नव नियुक्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने पूर्व विधायक नरेश कौशिक से मुलाकात की। पूर्व विधायक ने समिति की सर्वसम्मति से गठित हुई नई कार्यकारिणी कस स्वागत व सम्मान किया। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त पदाधिकारी धर्मशाला समिति की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के साथ-साथ युवा पीढ़ी को पंडित लक्ष्मीचंद के जीवन और साहित्य से जोड़ने का प्रयास करें। इस अवसर पर सीलकराम पंडित, सुमेर वशिष्ठ, हरीश वशिष्ठ, सुमित अग्र, मुकेश शर्मा, ईश्वर गौतम, प्रताप शर्मा, चांद प्रकाश, अशोक कौशिक, राजकुमार, दीपक राज, मंजीत पाराशर, सतीश शर्मा, मामन राम, कृष्ण चंद, बिजेन्द्र शर्मा, हरिओम, हितेश, राजकुमार, संदीप पाराशर आदि मौजूद रहे।

सेक्टर-2 में 165 की आंखें जांची

■ सर्व सेवा कल्याण समिति ने सेक्टर 2 में लगवाया निःशुल्क नेत्र जांच शिविर

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

सर्व सेवा कल्याण समिति द्वारा रविवार को सेक्टर-2 स्थित श्री गौरी शंकर मंदिर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. नीरज कुमार, मधु, कविता और उमेश आदि द्वारा 165 लोगों की आंखों की जांच की गई। उन्हें आवश्यक परामर्श व दवाएं भी दी गईं। ये रहे मौजूद : इस अवसर पर समिति प्रधान विनय गोयल,



बहादुरगढ़। कैप में लोगों की आंखें जांचते स्वास्थ्यकर्मी।

सुनील छिल्लर, महावीर जांगड़ा, रविंद्र जून, सत्यपाल सिंह, विनोद भाटिया, रामनिवास बंसल, कुलदीप, सुनीता

पाराशर, गुलाब मलिक, महेश वशिष्ठ, दिनेश खोखर, अनिल शर्मा व प्रमोद राजपूत आदि उपस्थित रहे।

2 घंटे में बरामद किया लापता बच्चा

हरिभूमि न्यूज ►► बहादुरगढ़

लाइनपार के सुभाष नगर से शनिवार शाम लापता हुए 7 वर्षीय बच्चे को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए करीब 2 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया। बच्चे को सुरक्षित मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार जताया। जानकारी के अनुसार सुभाष नगर का निवासी केशव शनिवार शाम अचानक घर से लापता हो गया। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम हरकत में आई और बच्चे की तलाश शुरू



बहादुरगढ़। केशव को परिजनों के सुपुर्द करते एसआई प्रदीप बल्हारा व एचसी सचिन राठी।

कर दी। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। पुलिस टीम ने तलाश करते हुए उसे आसोदा क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया। औपचारिकताएं पूरी कर बच्चे को



नए पदाधिकारी किए सम्मानित

बहादुरगढ़। पंडित लक्ष्मीचंद धर्मशाला समिति की नव नियुक्त कार्यकारिणी के पदाधिकारियों व सदस्यों ने आज्ञा के विधानसभा संयोजक दिनेश कौशिक से उनके सेक्टर-2 स्थित कार्यालय पर मुलाकात की। इस दौरान दिनेश कौशिक ने नए पदाधिकारियों का स्वागत-सम्मान किया। दिनेश कौशिक ने कहा कि पंडित लक्ष्मीचंद धर्मशाला समिति क्षेत्र की सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है। कौशिक ने नव नियुक्त प्रधान सीलकराम उर्फ बिल्लू पंडित, उप-प्रधान सुमेर वशिष्ठ, महासचिव हरीश वशिष्ठ, सचिव सुमित अग्र तथा कोषाध्यक्ष मुकेश शर्मा, ईश्वर गौतम, प्रताप शर्मा, चांद प्रकाश, अशोक कौशिक, राजकुमार, दीपक राज, पूर्व प्रधान मंजीत पाराशर, पूर्व महासचिव सतीश शर्मा, पूर्व प्रधान मामन राम, कृष्ण चंद, बिजेन्द्र शर्मा, हरिओम, हितेश, राजकुमार और संदीप पाराशर का स्वागत एवं सम्मान किया।

कैप में 65 लोगों का हृदय जांचा

बहादुरगढ़। बलमशक्ति संजीवनी हॉस्पिटल में रविवार को निःशुल्क हृदय रोग जांच शिविर का आयोजन किया गया। इसमें करीब 65 लोगों ने अपने हृदय की जांच करवाई। शिविर का शुभारंभ अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने किया। उन्होंने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच करवाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि आज बदलती जीवनशैली, खान-पान में बदलाव, बढ़ती तनाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी और अन्य कारणों से हृदय रोग का खतरा लगातार बढ़ रहा है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिजेश कुमार ने लोगों की जांच की। उन्होंने हृदय रोग के कारणों, लक्षणों और बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अब 45 वर्ष से अधिक उम्र के पुरुष और 55 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के अलावा हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और बड़े हुए कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित लोगों में हार्ट अटैक का खतरा रहता है।



आओ बदलें बहादुरगढ़ का पोस्टर लॉन्च

बहादुरगढ़। भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह जून और कांग्रेस जिलाध्यक्ष संजय यादव ने आओ बदलें बहादुरगढ़ अभियान का पोस्टर लॉन्च किया। युवा कांग्रेस के प्रदेश मीडिया अध्यक्ष प्रदीप यादव ने बताया कि अभियान के तहत युवा कांग्रेस कार्यकर्ता बहादुरगढ़ की कॉलोनियों और सेक्टरों में पहुंचकर लोगों से सीधे संवाद करेंगे। स्थानीय समस्याओं की जानकारी जुटाकर उन्हें प्रमुखता से उठावेंगे। पूर्व विधायक राजेंद्र जून ने कहा कि इस अभियान के माध्यम से जनता की समस्याओं को मजबूती से उठाकर संबोधित विभागों पर समाधान के लिए दबाव बनाया जाएगा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन **हरिभूमि** के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के	₹. 2500/-
10×8 सें.मी	अन्तर के पृष्ठ पर	₹. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए फाई स्टै लागी।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

नपा कर्मचारी संघ के आह्वान पर बढ़ाई हड़ताल

13 मई के समझौते को लागू करने की मांग

जब तक मांगों पूरी नहीं होंगी जारी रहेगी हड़ताल : शिवम

रविवार को भी नगर परिषद के सफाई कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आवाज उठाई

हरिभूमि न्यूज ►► झज्जर

झज्जर। हड़ताल के दौरान दोनों हाथ उठाकर विरोध प्रदर्शन करते हुए सफाईकर्मी।

आह्वान पर हड़ताल को तीन दिनों और बढ़ाया गया है। उनकी प्रमुख मांगों में बीती 13 मई को संघ व सरकार के बीच हुए समझौते को लागू करना, फरीदाबाद अग्निकांड में काल का ग्रास बने कर्मचारियों के परिवार को एक-एक करोड़ रुपया मुआवजा व सरकारी नौकरी, पैरोल के सफाई कर्मचारी व सीवरमैनो को पक्का करना, वर्ष 2014 में जिले में हटाए हुए 60 कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस लेने, ड्यूटी के दौरान मृत्यु होने पर सफाई कर्मचारियों को 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता, ठेका प्रथा बंद करना, सेवानिवृत्त पर कर्मचारियों को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद, सभी पैरोल फायरमैन व चालकों को नियमित करना, जोखिम भता पांच हजार रुपये करना, एचकेआरएनएल व विभिन्न ठेकों में लगे तृतीय को नीति बनाकर पक्का करना तथा चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नीति बनाकर पक्का करना तथा पक्का करने तक तीस हजार रुपये वेतन, एचकेआरएनएल सफाई कर्मचारियों को पैरोल पर लिए जाने की मांग शामिल है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर जिला सचिव गौरव, ऑडिटर कृष्ण, सलाहकार सुरेश, सह सचिव बबली, महिला उप प्रधान कमलेश, मनीषा, शीतल, रानी, दया, सुष्मा, सुमित्रा, सीमा, अंजु, सुरेश, रविंद्र, विक्रम, नवीन, अमित, मुकेश, विनोद, दुष्यंत, रितु, गीता, रामरती, संतोष, बबीता, सुनीता, रेखा, ऊषा, राजेश, शिबू, रमन, सुनील, विनोद, विजय, हरिओम, जितेंद्र, मनोज, इंद्र, विकास आदि उपस्थित रहे।